<u>झारखण्ड सरकार</u> वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

पत्र संख्या—वन भूमि—06/2022— 1521 व०प०, राँची, दिनांक— 3) \05\2022— प्रेषक,

जलज कुमार, ,उप परामर्शी।

सेवा में,

सचिव,

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इन्दिरा पर्यावरण भवन, अलीगंज, जोरबाग रोड, नई दिल्ली—110003।

विषय:— मेसर्स सी०सी०एल० की कोतरे बसन्तपुर पचमो कोल माईन्स परियोजना हेतु बोकारो वन प्रमण्डल अन्तर्गत 372.98 हे० वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रधान मुख्य वन संरक्षक—सह—कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, राँची के पत्रांक—232 दिनांक—09.03.2022 एवं पत्रांक—278 दिनांक—23.02.2022 से प्राप्त मूल प्रस्ताव एवं प्रतिवेदन की छायाप्रति (अनुलग्नक सहित) संलग्न है।

विषयक प्रस्ताव पर राज्य सरकार के निर्णयानुसार प्रधान मुख्य वन संरक्षक—सह—कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, राँची एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक (CWLW), झारखण्ड, राँची द्वारा प्रस्तावित शर्तों के साथ अनुशंसा की जाती है।

अतः अनुरोध है कि विषयक प्रस्ताव में अग्रत्तर कार्रवाई करने की कृपा की जाय। अनु0—यथोक्त।

विश्वासभाजन

(जलज कुमार) उप परामर्शी।

ज्ञापांक-वन भूमि-06/2022- 1 \$21 व०प०, राँची, दिनांक- 3) \ ० ६ रे २० २ १

प्रतिलिपि—उप वन महानिदेशक (केन्द्रीय), भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, द्वितीय तल, झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड, मुख्यालय, हरमू चौक, राँची—834002 को अनुलग्नक के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। अनु0—यथोक्त।

उप परामशी।

ज्ञापांक-वन भूमि-06/2022- १८२१ वर्जां वरां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वरां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर्जां वर

प्रतिलिपि—प्रधान मुख्य वन संरक्षक, झारखण्ड, राँची/प्रधान मुख्य वन संरक्षक—सह—कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, राँची/परियोजना पदाधिकारी, कोतरे बसन्तपुर पचमो कोल परियोजना, सी०सी०एल०, दामोदर बिल्डिंग, दरभंगा हाउस, राँची—834029 को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

PART - V

(To be filled by the Secretary in Charge of Forest Department or by any other authorized officer of the State Government not below the rank of an Under Secretary)

Diversion of 372.98 ha of Forest Land in favour of CCL for Kotre Basantpur Pachmo OCP under Bokaro Forest Division.

18. Recommendation of the State Government

(Adverse comments made by any officer of authority in Part- B or Part – C or Part- D above should be specifically commented upon)

Recommended for diversion of 372.98 ha of Forest land with conditions as stated in the forwarding letter no.-152.1-dated-311951992-2-

Rajdeep Sanjay Lal John

Joint Secretary

Forest, Environment & Climate Change Department, Jharkhand Ranchi.

> वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग झारखण्ड, राँची

(Official Seal)

Date:

Place: Ranchi

कार्यालय-

प्रधान मुख्य वन संरक्षक—सह—कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, राँची।

पत्रांक :- 278

दिनांक :- 23/3/2022

4. 4" Journ

अपर मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण, वन जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार राँची।

विषय :--

मेसर्स सी०सी०एल० की कोतरे बसन्तपुर पचमो कोल माईन्स परियोजना हेतु बोकारो वन प्रमंडल अन्तर्गत 372.98 हे० वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के संबंध में।

प्रसंग :--

- 1. इस कार्यालय का पत्रांक 232 दिनांक 09.03.2022
- 2. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 391 दिनांक 16.03.2022

महाशय,

उपर्युक्त विषयगत वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव में इस कार्यालय के पत्रांक 232 दिनांक 09.03.2022 के कंडिका—24 के क्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 391 दिनांक 16.03.2022 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ है, जिसे इस पत्र के साथ संलग्न कर अग्रतर कार्रवाई हेतु भेजा जा रहा है। अन्0:—यथोक्त।

43, 44422 31 3032 31 3037 10414, 1041

प्रधान मुख्य वन संरक्षक—सह कार्यकारी निदेशक बंजर भृमि विकास बॉर्ड, झारखण्ड, राँची।

विश्वासभाजन

04 3





कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक झारखण्ड वन भवन डोरण्डा राँची



न्त्रांक : '3

रांची दिनांक: 16/3/22

प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची ।

विषयः-

1. मेसर्स सी0सी0एल0 की कोतरे बसन्तपुर पचमो कोल माइन्स परियोजना हेतु रामगढ वन प्रमण्डल अंतर्गत 633.19 हे0 वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के संबंध में।

्र मेसर्स सी0सी0एल0 की कोतरे बसन्तपुर पचमो कोल माइन्स परियोजना हेतु बोकारो वन प्रमण्डल अंतर्गत 372.98 हे0 वनभूमि अपयोजन प्रस्ताव के संबंध में।

प्रसंगः- आपका ज्ञापांक 231 दिनांक 09.03.2022 एवं ज्ञापांक 232 दिनांक 09.03.2022 |

महाशय,

उपर्युक्त प्रासंगिक विषयक पत्रों के संदर्भ में वन्यप्राणी संरक्षण के दृष्टिकोण से अधोहस्ताक्षरी का मंतव्य निम्नवत है:-

1) The above refereed subject matter Kotre, Basantpur and Pachmo coal mining project proposals of M/s Central Coal Field (CCL) limited contains proposals for Forest land diversions in a linked extended forest areas of Kotre, Basantpur, Pachanda, Hurdag, Rahwan, Baghraiya, Purnapani, and Pachmo forests that includes of 633.19 Hectare in Ramgarh Forest Division and of 372.98 Hectare in Bokaro Forest Division and therefore from the wildlife conservation point of view an integrated Site Specific Wildlife Conservation Plan on a landscape level containing the area as a whole unit is recommended with a view expressed in the following paragraphs:-

2) The likelihood impact of the mining on ecology, and the flora & fauna within and adjoining areas of the mining projects in question are expected to be assessed through subject matter expert/s by the user agency. This may be done through collection of data on flora and fauna in the landscape areas; taking the context of the list of threatened plant species endemic to region of Jharkhand by Botanical Survey of India; and of the list of faunal endangered species of Jharkhand by Zoological Survey of India (ZSI)- (RAJYA SABHA question no 1662 of Shri Parimal Nathwani answered on 09.05.2016 by Shri Prakash Javadekar MoS, MoEF&CC,GoI); in order that scientific data are verified for monitoring and taking appropriate decision for prevention and mitigation measures for ecology in and around the proposed mining area.

3) The forest areas of Kotre, Basantpur, Pachanda, Hurdag, Rahwan, Baghraiya, Purnapani, and Pachmo and nearby forests have intensive coal mines areas spread from South-west to the South-East e.g. the CCL coal mines of Tapin mines, Parej mines, Tata's west Bokaro, mines Ghatotand, Kedla CCP, Jharkhand OCP etc. In view of this scenario of elephant movement

3/6/3

P. T.O.

zones have already got restricted due to severe fragmentation of the wildlife habitats around the project area. And elephant population spreading into new areas in Jharkhand -now found in atleast 29 forest divisions of Jharkhand including that of Ramgarh & Bokaro, and thereby expansion of the conflict zones of Human- Elephant conflict incidences in Jharkhand (Ref: Strategic Action Plan for East-Central Indian Region for Conservation of Elephant with special emphasis on Human-Elephant conflict, MoEF&CC GoI Project Elephant Division F.No. 7-5/2000-PE (Pt.) dated 6th May 2019).

- 4) Hence special emphasis from user agency will also be needed to restrict the conflict zone. This may be done by dedicated support from user agency by supporting and promoting Human-Elephant Co-existence Zone for taking welfare of elephants as well as human in the vicinities of the project areas through wildlife mitigation measures like promoting community crop guarding supported by watchtowers (Assam) & "Gajabandhu" of Odisha, providing safe bins or community pucca godowns for storing food grains (Odisha Practice Khani-dhaan), establishing pre-alert system in the area sharing the location of elephant herds and lone bulls, street lights in the villages, suitable over/underpasses on elephant path obstructions to be identified as project builds up, or keeping secure free habitat for elephant movement with bamboos and other preferred plants by elephants, with sufficient water provision.
- 5) In view of above, and the refereed subject matters being related to Open Cast Coal Mining, the user agency should get prepared, with the help of subject matter specialists, within and in 10 km circumference of the Project proposal area; an "Integrated Site Specific Wildlife Conservation, Management and Mitigation Plan"; keeping exclusive strategic action plan chapter for managing elephants, and Human-Elephant Co-existence Zone; and a chapter on the plan area data collection on threatened plant species endemic to region of Jharkhand & faunal endangered species, and the prevention and mitigation measures for ecology within and adjoining areas of the proposed mining project areas, at the Project Cost; and in close consultations with and the directions of the Divisional forest officers of Ramgarh Forest Division, Bokaro Forest Division, and Conservator of Forests Bokaro. A time bound implementation of the prepared wildlife conservation plan shall be done.

6) The user agency shall take will adequate measures to ensure that the prospecting activities do not harm the wildlife in the area.

सूचनार्थ एवं आवश्यक कारवाई हेत् प्रेषित ।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक,

एवं म्ख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखण्ड